भारत - गुयाना संबंध

उच्च स्तर की आपसी समझ के साथ भारत और गुयाना के बीच संबंध मधुर एवं मैत्रीपूर्ण हैं। आवधिक संयुक्त आयोगों, विदेश कार्यालय परामर्शों, सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रमों तथा आई टी ई सी के माध्यम से अंत:क्रिया होती है। हालांकि सुगठित द्विपक्षीय यात्राएं बहुत अधिक नहीं होती हैं, भारत में या विदेश में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में नेताओं की बैठकें होती हैं। नवंबर 2009 में त्रिनिदाद चोगम शिखर बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति जगदेव के साथ बैठक की तथा गुयाना की संसद के अध्यक्ष ने राष्ट्रमंडल स्पीकर सम्मेलन में भाग लेने के लिए जनवरी 2009 में भारत का दौरा किया। राष्ट्रपति जगदेव जनवरी 2011 में भारत की एक निजी यात्रा पर आए तथा फरवरी 2012 में पद छोड़ने के बाद दिल्ली संपोषणीय विकास शिखर बैठक (डी एस डी एस) 2012 में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया। विदेश कार्यालय परामर्श के तीसरे चक्र का आयोजन 15 जुलाई, 2011 को जार्जटाउन में हुआ। ऊर्जा पहुंच पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लेने के लिए गुयाना के प्रधानमंत्री श्री सैमुअल हिंड्स ने अक्टूबर 2012 में भारत का दौरा किया तथा भारत के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। पर्यावरण अनुसंधान संस्थान (टी ई आर आई) द्वारा आयोजित डी एस डी एस 2013 में भाग लेने के लिए 31 जनवरी से 1 फरवरी 2013 तक गुयाना के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड रामअवतार ने पूर्व राष्ट्रपति श्री भरत जगदेव के साथ भारत का दौरा किया। राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड रामअवतार ने भारत के माननीय राष्ट्रपति से शिष्टाचार मुलाकात भी की।

राष्ट्रपति डोनाल्ड रामअवतार ने ब्राजील में फोर्टालेजा में 6वीं ब्रिक्स - उनासुर शिखर बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में 16 जुलाई 2014 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की जिसने आर्थिक एवं वाणिज्यिक संबंधों का विस्तार शामिल था।

गुयाना के राष्ट्रपति डोनाल्ड रामअवतार ने 7 से 12 जनवरी, 2015 के दौरान भारत का राजकीय दौरा किया। उनको गांधीनगर, गुजरात में आयोजित प्रवासी भारतीय दिवस 2015 के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था तथा उनको कार्यक्रम के दौरान प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार से नवाजा गया। इस यात्रा के दौरान लगभग 59 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य की अवसंरचना परियोजनाओं के लिए भारतीय ऋण सहायता की घोषणा की गई। उम्मीद है कि यह ऋण सहायता 50 मिलियन अमरीकी डालर की लागत से नए पूर्वी बैंक डेमेरारा - पूर्वी तट डेमेरारा बाईपास रोड तथा 9 मिलियन अमरीकी डालर की लागत से गुयाना के लिए एक यात्री नौका का वित्त पोषण करेगी। यात्रा के दौरान भारत सरकार द्वारा गुयाना में एक आई टी उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित करने और भारत आने वाले गुयाना के नागरिकों के लिए भारत में आगमन पर वीजा स्कीम की भी घोषणा की गई। गुयाना के लिए यात्री नौका के लिए ऋण सहायता मंजूर करने के बारे में भारत सरकार इस समय विचार कर रही है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डेविड ग्रैंगर ने 24 सितंबर, 2015 को न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान अतिरिक्त समय में मुलाकात की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति तथा संबंध को और सुदृढ़ करने के लिए आगे की राह पर विस्तार से चर्चा की।

11 मई 2015 को आम और क्षेत्रीय चुनाव हुए जिसमें ए पी एन यू / ए एफ सी गठबंधन विजयी हुआ है। श्री डेविड ग्रेंजर को गुयाना के 8वें कार्यपालक राष्ट्रपति के रूप में चुना गया है तथा श्री बोसेस नगामूटू को गुयाना के नए प्रधानमंत्री के रूप में चुना गया है। राष्ट्रपति ग्रेंजर ने श्री कार्ल ग्रीनिज को नए विदेश मंत्री के रूप में नियुक्त किया है।

हाल ही में भारतीय कंपनियों ने खनन एवं वानिकी में अधिक रुचि का प्रदर्शन किया है। मक्का, दलहनों, सब्जियों एवं फलों आदि की खेती के लिए अनेक भारतीय कंपनियों ने जमीन का अधिग्रहण किया है। कुछ कंपनियों ने शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में निवेश किया है।

2014-15 में भारत और गुयाना के बीच द्विपक्षीय व्यापार 34.71 मिलियन अमरीकी डॉलर था, जो 2013-14 में 31.47 मिलियन अमरीकी डॉलर था।

2011-12 से 2015-16 (अप्रैल - सितंबर) तक भारत - गुयाना द्विपक्षीय व्यापार (मिलियन अमरीकी डॉलर में)

वर्ष	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16 (अप्रैल - सितंबर)
भारत का निर्यात	21.53	21.94	24.19	24.41	12.03
भारत का आयात	8.68	4.73	7.28	10.30	8.22
कुल व्यापार	30.21	26.67	31.47	34.71	0.23

2004 में गुयाना को 25.5 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता प्रदान की गई तथा 2008 में 50 मिलियन अमरीकी डालर की एक अतिरिक्त ऋण सहायता की पेशकश की गई। 2002 में गुयाना को 19 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता तथा छ: मिलियन अमरीकी डालर का अनुदान प्रदान किया गया जिसका उपयोग पूरी तरह कर लिया गया है। भारत एक क्रिकेट स्टेडियम (राष्ट्रीय स्टेडियम), एक शुगर पैकेजिंग प्लांट, हैवी ड्यूटी ड्रेनेज पंप तथा जार्जटाउन में ट्रैफिक लाइट के निर्माण में गुयाना की मदद पहले ही कर चुका है।

भारत आई टी ई सी (भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग कार्यक्रम) के तहत भारत में प्रशिक्षण के लिए गुयाना के छात्रों के लिए हर साल अनेक स्लाटों का प्रस्ताव करता है (2015-16 के लिए 20 स्लाटों का प्रस्ताव किया गया है)। फरवरी 2010 में आई टी ई सी के तहत विशेषज्ञों की एक टीम ने गुयाना में डीप वाटर कोड के लिए संभाव्यता अध्ययन का संचालन किया। इस समय कृषि क्षेत्र में आई टी ई सी का एक विशेषज्ञ गुयाना सरकार के साथ काम कर रहा है। सांस्कृतिक एवं राष्ट्रमंडल स्कीमों तथा डायसपोरा के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति तथा युवा डायसपोरा के लिए भारत को जानो कार्यक्रम के तहत भी छात्रवृत्तियों की पेशकश की जाती है।

जार्जटाउन में भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र, जो गुयाना में आई सी सी आर का अंग है, की स्थापना 1972 में हई। इस सांस्कृतिक केन्द्र में भारतीय शास्त्रीय नृत्य, योग एवं संगीत पढ़ाने का प्रावधान है। नृत्य, योग एवं संगीत के लिए कक्षाओं का आयोजन करने के अलावा सांस्कृतिक केन्द्र पूरे वर्ष सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी करता है तथा स्थानीय सांस्कृतिक एवं सामाजिक संगठनों द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेता है। केन्द्र अपने आउटरीच कार्यक्रम के अंग के रूप में समय समय पर कार्यशालाएं आयोजित करता है तथा स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग भी लेता है। गुयाना के क्षेत्र 2 में वर्ष 2010 से आई सी सी आर के तत्वावधान में हिंदी कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं।

भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद ने "भारत : विज्ञान की संस्कृति" नामक एक सचल विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रदर्शनी का आयोजन 20 अगस्त से 30 सितंबर 2012 तक जार्जटाउन में हुआ। लगभग 33000 व्यक्ति प्रदर्शनी देखने आए जिसमें मुख्य रूप से छात्र थे। प्रदर्शनी के दौरान कार्यशालाएं भी आयोजित की गईं जिसमें भारत के वैज्ञानिकों ने गुयाना के शिक्षकों को विज्ञान एवं गणित में प्रशिक्षण प्रदान किया।

आई सी सी आर के तत्वावधान में 23 से 26 मई 2014 तक एक 6 सदस्यीय भोजपुरी संगीत मंडली ने गुयाना का दौरा किया। इस मंडली द्वारा तीन परफार्मेंस दिए गए जिनमें से एक गुयाना के स्वतंत्रता दिवस पर दिया गया परफार्मेंस शामिल है। आई सी सी आर की प्रायोजकता के तहत मशहूर सूफी गायिका इंदिरा नाइक के नेतृत्व मे एक पांच सदस्यीय संगीत मंडली ने 27 से 29 अक्टूबर 2014 तक गुयाना का दौरा किया। आई सी सी आर की प्रायोजकता के तहत श्री जितेंद्र पराशर के नेतृत्व में एक 9 सदस्यीय सांस्कृतिक मंडली ने गुयाना का दौरा किया तथा जार्जटाउन और बेरबिक में अपनी कला का प्रदर्शन किया।

भारतीय संस्मारक न्यास (आई सी टी), गुयाना के साथ मिलकर गुयाना स्थित भारतीय उच्चायोग ने 22 और 23 अगस्त, 2015 को जार्जटाउन और बेरबिक में एक भारतीय सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जिसमें कथक नृत्यांगना सुश्री नम्रता राय और तबला वादक उदय मजुमदार ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। दोनों कलाकार विशेष रूप से इस कार्यक्रम के लिए सूरीनाम से पहुंचे थे।

भारतीय उच्च आयोग ने गुयाना में भारतीयों के पहुंचने की 175वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित समारोहों में सक्रियता से भाग लिया। जी ओ पी आई ओ इंटरनेशनल ने जार्जटाउन में तथा क्षेत्र 6 में हाइबरी में कलकत्ता स्मारक का उद्घाटन किया - जो गुयाना में पहली बार भारतीयों के पहुंचने का स्थान है। आई सी सी आर एक भारतीय आगमन स्मारक को प्रायोजित कर रहा है जिसे गुयाना में स्थापित किया जाएगा।

21 जून 2015 को जार्जटाउन, गुयाना में पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। योग से संबंधित कार्यक्रमों में स्थानीय लोगों ने भरपूर जोश एवं उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर गुयाना के प्रधानमंत्री मोसेस नगामूटू मुख्य अतिथि थे।

एक छोटा भारतीय समुदाय है जिसमें लगभग 300 भारतीय हैं जो गुयाना की बड़ी कंपनियों में डाक्टर, नर्स, लैब तकनीशियन, लघु व्यवसायी, कुशल श्रमिकों एवं मजदूरों के रूप में काम कर रहे हैं। कृषि तथा व्यवसाय के अन्य क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों की भागीदारी से भारतीयों की संख्या में वृद्धि होने की संभावना है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, जार्जटाउन की वेबसाइट :
http://www.hcigeorgetown.org/

***

जनवरी, 2016